गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 05 | गोरखपुर रविवार 27 जुलाई 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

एसआईआर पर सियासत तेज

पटना। बिहार में एसआईआर को लेकर सियासत चरम पर है। विपक्ष लगातार इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहा है। इसी बीच पटना पहुंचे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्या विपक्ष चाहता है कि चुनाव में फर्जी मतदाता वोट करें? ललन सिंह ने आगे कहा कि एसआईआर प्रक्रिया चुनाव आयोग का निर्णय है और वह पूरी पारदर्शिता से अपना काम कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भारत का नागरिक नहीं है, उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं होगा।

निशांत की राजनीति में एंट्री की मांग तेज

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) में पिछले कई महीनों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने की चर्चा चल रही है। हालांकि, सीएम नीतीश और निशांत ने इस बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है। इसके बावजूद, पार्टी कार्यकर्ता पोस्टरों के जरिए निशांत के राजनीति में आने की मांग को उठा रहे हैं। इसी बीच, शनिवार को कार्यकताओं ने निशांत के चुनाव लड़ने की मांग वाले पोस्टर लगाए। जदयू कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में निशांत और उनके पिता नीतीश कुमार की तस्वीर है।

1 अगस्त तक ज्यादातर व्यापार समझौते पूरे हो जाएंगे: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 1 अगस्त तक अधिकांश देशों के साथ अपने व्यापार समझौते पूरे कर लेंगे। दक्षिण कोरिया सहित कई व्यापारिक साझेदार इस समय अमेरिकी प्रतिस्पर्धी टैरिफ दरों को कम करने के लिए समझौते की कोशिश में लगे हुए हैं। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार करीब 200 देशों को टैरिफ दरों के बारे में एक पत्र भेज सकती है, जिसका मतलब होगा कि उनके साथ समझौता हो चुका है। ट्रंप ने कहा, ह्लवे टैरिफ का भुगतान करते हैं और वही समझौता होता है।

दिल्ली सरकार की खेल नीति से खिलाड़ी खुश

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई खेल नीति की देश के खिलाड़ियों ने जमकर सराहना की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में लागू हुई इस नई नीति को खेलों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में रेसलिंग में रजत पदक जीतने वाले रवि दहिया ने कहा कि यह नीति खिलाड़ियों के लिए बेहद प्रोत्साहन देने वाली है। इससे न सिर्फ खेलों में उत्साह बढ़ेगा, बल्कि दिल्ली को खेलों का एक बड़ा केंद्र बनाने में मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार ने उच्चस्तरीय खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण सहायता राशि 20 लाख रुपये तक बढ़ाई है, जिसमें 10 लाख रुपये तक का मेडिकल इंश्योरेंस भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता मिलेगी। ओलंपिक मेडलिस्ट रेसलर रवि दहिया ने दिल्ली सरकार का आभार जताते हुए कहा, सरकार ने खिलाड़ियों के बारे में इतना सोचा, इसके लिए धन्यवाद। खिलाड़ियों के लिए इंश्योरेंस बेहद जरूरी है, क्योंकि कभी भी इंजरी हो सकती है। दिल्ली सरकार ने ऐसा किया है।

भारत में मील का पत्थर बनेगी एआई यूनिवर्सिटी : सीएम

संवाददाता

लखनऊ। शनिवार को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद को शिक्षा, तकनीक और सांस्कृतिक समृद्धि के अद्वितीय संगम के रूप में एक नई पहचान मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में स्थापित देश की पहली निजी एआई-ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी का उद्घाटन करते हुए इसे आधुनिक भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने इस ऐतिहासिक जनपद की साहित्यिक, सांस्कृतिक और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाली विरासत को याद करते हुए कहा कि यह नई यूनिवर्सिटी तकनीकी प्रगति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को साकार करने का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री ने युवाओं को डिजिटल और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के राज्य सरकार के प्रयासों, निजी और सरकारी निवेश की उपलब्धियों तथा शिक्षा-उद्योग सहयोग की दिशा में हुए सुधारों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी भारत के एआई मिशन और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए तैयार है और उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश का उन्नाव जनपद, साहित्य, संस्कृति, इतिहास और प्रतिभा की एक विशिष्ट भूमि रहा है। गंगा मैया के आशीर्वाद से पावन यह भूमि चंद्रिका देवी मंदिर जैसे ऐतिहासिक स्थलों की उपस्थिति से समृद्ध है। स्वतंत्रता संग्राम में राजा राव रामबख्श सिंह जैसे वीरों ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। इसी धरती ने पं. प्रतापनारायण मिश्र, निराला, डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन, हसरत मोहानी जैसे साहित्य मनीषियों को जन्म दिया जिन्होंने लेखनी के माध्यम से भारत की चेतना को स्वर दिया। आज यह जनपद तकनीकी क्रांति की ओर एक नई उड़ान भर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का नया परिसर यहां स्थापित किया गया है। यह विश्वविद्यालय न केवल आधुनिक शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा और नवीनतम तकनीकी शिक्षा का संगम भी प्रस्तुत करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बहुविषयी दृष्टिकोण को आत्मसात करता यह संस्थान युवाओं को मल्टीडिसिप्लिनरी लर्निंग, अनुसंधान और इनोवेशन के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे शिक्षण संस्थानों की अब तक की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि उन्होंने स्वयं को एक सीमित दायरे में, एक प्रकार से 'टापू' के रूप में बांध लिया था। युवाओं के हित में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी अक्सर छात्रों तक नहीं पहुंच पाती थी। इससे वे अपने भविष्य की रणनीति समय पर नहीं बना पाते थे।

तेजस्वी यादव की नकल करते हैं नीतीश कुमार: मृत्युंजय तिवारी

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए राहत भरी खबर दी। उन्होंने बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पत्रकारों की पेंशन 6,000 रुपए से बढ़ाकर 15,000 रुपए करने की घोषणा की। नीतीश कुमार के इस फैसले को चुनाव से पहले मास्टरस्ट्रोक बताया जा रहा है, वहीं आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसले की आलोचना की है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि तेजस्वी यादव ने पहले पत्रकारों की पेंशन राशि बढ़ाने का वादा किया था और अब नीतीश कुमार की सरकार ने इसकी घोषणा की है। जदयू कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर तिवारी का दावा है कि नीतीश कुमार सिर्फ तेजस्वी यादव की नकल करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व पर राज

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी बिजनेस इंटेलिजेंस फर्म मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75% अनुमोदन स्कोर के साथ 'डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग्स' की नवीनतम वैश्विक सूची में एक बार फिर शीर्ष पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद 59% अनुमोदन स्कोर के साथ दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग दूसरे स्थान पर हैं। यह वैश्विक सर्वेक्षण, जो प्रमुख विश्व नेताओं की अप्रूवल रेटिंग पर नजर रखता है, मोदी को अपने समकक्षों से काफी आगे रखता है, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हैं, जिनकी अप्रूवल रेटिंग 44% है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शीर्ष पांच में नहीं हैं और 45% से कम अनुमोदन के साथ आठवें स्थान पर हैं। नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित की गई थी। मॉर्निंग कंसल्ट ने सर्वेक्षण किए गए देशों में वयस्कों की राय के सात-दिवसीय औसत का उपयोग किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 76% के साथ सर्वोच्च अप्रूवल रेटिंग हासिल की, जिससे अन्य वैश्विक समकक्षों पर उनका महत्वपूर्ण बढ़त बनी रही। मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के ली जे-म्यांग (59%), अर्जेंटीना के जेवियर माइली (57%) और कनाडा के मार्क कार्नी (56%) का स्थान रहा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज (54%) को 54%, जबकि स्विट्जरलैंड की कैरिन केलर-सटर (53%) को 53% रेटिंग मिली। मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम (48%) ने इस सूची में अपना स्थान पूरा किया। मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे विश्वसनीय नेता बने हुए हैं।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को ठहराया जिम्मेदार

अंपायर पक्षपाती था, इसलिए हारी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार हार के लिए चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। पार्टी के संगठन सुजन अभियान शिविर के दौरान आणंद में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए, राहुल ने चुनाव आयोग को श्पक्षपातीश करार दिया और जोर देकर कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके मुख्य आधार पर हराना जरूरी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपने कार्यकताओं के साथ खड़ा है। पार्टी के संगठन सुजन अभियान शिविर के बाद, कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने राहुल के भाषण की सराहना की, साथ ही चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस के सुरेंद्रनगर जिला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि राहुल ने अपने संबोधन में दावा किया कि अंपायर पक्षपाती था, जिसके कारण पार्टी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव हार गई। सोलंकी ने कहा कि क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपात कर रहा है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें आत्मविश्वास दिया।

बिहार में कानून-व्यवस्था पर सवाल

बोधगया में एंबुलेंस के भीतर युवती से गैंगरेप, होमगार्ड बहाली के फिजिकल टेस्ट में हुई थी बेहोश

एजेंसी

पटना। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज से एम्बुलेंस के रास्ते और समय की पुष्टि करने में मदद मिली है, जिससे चल रही जाँच में अहम सबूत मिले हैं।

सम्पादकीय...

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं।

राशिफल

मेषः- काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

बृषभः- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुनः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्कः- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंहः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्याः- जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुलाः- भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिकः- रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनुः- अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकरः- बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

क्या मोहन भागवत 75 साल पूरे करने के बाद सितंबर में पद छोड़ देंगे?

अरुण श्रीवास्तव

जैसे-जैसे 11 सितंबर नजदीक आ रहा है, जिस दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 75 साल के हो जाएंगे- जो कि आरएसएस द्वारा निर्धारित सेवानिवृत्ति की समय सीमा है, आरएसएस तंत्र में एक बड़ी हलचल है। वे सभी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या भागवत आखिरकार 11 सितंबर को अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे और दूसरों से भी ऐसा करने के लिए कहेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं, जो 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता और आरएसएस के नेता भी इस बात पर जोर देते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शायद ही कभी कोई अनौपचारिक टिप्पणी करते हैं। उनकी टिप्पणियां अक्सर गंभीर होती हैं और दूरगामी परिणाम लाती हैं। जाहिर है, पुस्तक विमोचन समारोह, जहां भागवत ने सुझाव दिया कि 75 वर्ष की आयु के बाद लोगों को सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाना चाहिए, का राजनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है। इस टिप्पणी के निहितार्थ ने ही भगवा समुदाय को अनिश्चितता के दलदल में धकेल दिया है। दोनों संगठनों, आरएसएस और भाजपा, के नेता लगभग स्तब्ध हैं। वे भागवत की इस टिप्पणी का अर्थ समझने के लिए उत्सुक हैंरू पिंगले ने कहा था कि आपने मुझे 75 वर्ष की आयु में शॉल दिया था, लेकिन मैं इसका अर्थ जानता हूं। जब किसी को 75 साल की उम्र में सम्मानित किया जाता है, तो इसका मतलब होता हैरू अब आपका समय पूरा हो गया है, अब आप हट जाइए और हमें काम करने दीजिए। भगवा नेताओं का मानना है कि वह यह टिप्पणी किसी और मौके पर कर सकते थे। उन्होंने मोरोपंत पिंगले हिंदू पुनरुत्थान के शिल्पी पुस्तक के विमोचन को ही क्यों चुना? यह भगवा नेताओं को हैरान कर गया है। फिर भी, भागवत ने मोदी का नाम विशेष रूप से नहीं लिया, जो 17 सितंबर को 75 साल पूरे कर रहे हैं। हालांकि कुछ नेता यह मानने को तैयार नहीं हैं कि भागवत 11 सितंबर को पद छोड़ देंगे, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि उनकी टिप्पणी इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने पद छोड़ने का मन बना लिया है। अगर वह अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंचते, तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात नहीं रखते। उन्हें पूरा यकीन है कि भागवत उस दिन पद छोड़ देंगे, जब तक कि कोई असाधारण स्थिति न आ जाए। भागवत ने यह सुझाव नहीं दिया है। इससे पहले, आरएसएस प्रमुख केएस सुदर्शन ने 2005 में सार्वजनिक रूप से अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी, जो उस समय भाजपा के दो चेहरे थे, से युवा नेताओं के लिए रास्ता बनाने का अनुरोध किया था। इसने पार्टी के अंदर एक बहस छेड़ दी थी। संयोग से, प्रधानमंत्री बनने के बाद, मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को संगठन से बाहर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। भगवा नेताओं को यकीन है कि 75 साल की उम्र में भागवत पद छोड़ देंगे ताकि मोदी पर उनके नक्शेकदम पर चलने का दबाव बनाया जा सके। संघ और भाजपा नेताओं का मानना था कि भागवत को खुद एक मिसाल कायम करनी चाहिए और शायद वह ऐसा करेंगे। फिर भी, कुछ वरिष्ठ आरएसएस नेताओं का मानना है कि उन्हें कुछ और समय इंतजार करना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं। तब तक मोदी को अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपने

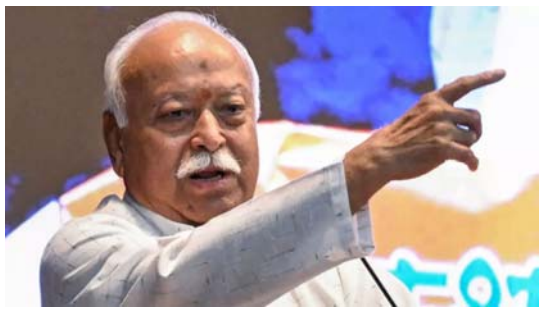

15 साल के कार्यकाल के बाद किसी अन्य नेता को प्रधानमंत्री पद का रास्ता देना चाहिए। अगर मोदी अभी भी बने रहना चाहते हैं, तो आरएसएस को उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना चाहिए। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि भागवत इस कदम को कैसे देखते हैं, जिसे भाजपा नेतृत्व में व्यापक समर्थन मिला है। हालांकि, इस संघर्ष की प्रकृति और चरित्र और जिस तरह से इसे लड़ा जा रहा है, उस पर एक नजर डालने से यह सच्चाई सामने आएगी कि वास्तविक कारण बिल्कुल अलग है और इसके गहरे सामाजिक निहितार्थ हैं। एक बात तो साफ दिखाई दे रही है। मोदी के वफादार हर संभव कोशिश कर रहे हैं और इस धारणा को प्रचारित कर रहे हैं कि मोदी को सत्ता में बने रहना चाहिए। इसके विपरीत, आरएसएस का एक भी शीर्ष नेता उनके सुझावों का समर्थन करने के लिए सामने नहीं आया है। वे बस श्देखो और इंतजार करोश और श्कौन पहले हटेगाश की मुद्रा में हैं। आरएसएस भाजपा में आमूल-चूल परिवर्तन के पक्ष में है। संगठन भगवा तंत्र में बदलाव करना चाहता है। उनका मानना है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी जीवंतता और जवाबदेही खो दी है। महाराष्ट्रीयन ब्राह्मणों का राजनीतिक संगठन आरएसएस, भाजपा के गुजराती ओबीसी नेताओं के खिलाफ वर्चस्व के लिए तीखे संघर्ष में लगा हुआ है। अपनी ओर से, गुजराती लॉबी भाषा के मुद्दे का इस्तेमाल आरएसएस और भाजपा के मराठा नेताओं को अलग-थलग करने के लिए कर रही है। महाराष्ट्र में गुजराती नेताओं और महाराष्ट्रीयन लॉबी के बीच तीखा संघर्ष देखा गया है।

कुछ खास...

मताधिकार खोने का भयानक खेल

बिहार में मतदाता सूची गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेसिव रिविजन

(एसआईआर) के मामले पर सरकार और विपक्ष के बीच छिड़ा विवाद इतने गंभीर स्तर तक जा पहुंचा है कि नौबत चुनाव का बहिष्कार करने जैसे फैसले की घड़ी आ गई है। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने साफ कहा है कि जब चुनाव में धांधली ही करनी है तो वैसे ही बिहार सरकार को एक्सटेंशन दे दो। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सभी दल चुनाव बहिष्कार के बारे में बात कर सकते हैं। हमारे पास यह विकल्प है और हो सकता है कि इस पर जल्द चर्चा भी हो। यह बयान अपने आप में काफी गंभीर है।

विपक्ष सरकार से मुद्दों पर बहस कर सकता है, उसके फैसलों की खामियां निकाल सकता है, उसे किसी मसले पर राय दे सकता है, लेकिन जब पिछले दरवाजे से चुनाव जीतने की कोशिशें हों और यह तय किया जाए कि विपक्ष की हर बात को काटना ही है, तब लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता है। खेद है कि इस समय देश में यही सियासी माहौल बना हुआ है। संसद के तो वे दिन लद गए जब सत्र पूरी तरह चला करते थे, जरूरी विषयों पर पूरी चर्चा के बाद ही विधेयक पारित कराने की प्रक्रिया होती थी, किसी भी मुद्दे पर विपक्ष को अपनी बात पूरी तरह रखने का अधिकार मिलता था। अब ये सारी बातें आकाशकुसुम बन चुकी हैं। संसद में सरकार पूरी मनमानी करने की फिराक में रहती है और सत्र न चलने देने के लिए विपक्ष पर जिम्मा डालती है। यही वजह है कि इस मानसून सत्र के 4 दिन भी लगभग बेकार ही गए हैं। हर दिन विपक्ष एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में मोर्चा खोलकर खड़ा रहा। पूछता रहा कि आखिर किसलिए बिहार चुनाव से पहले ही यह काम करवाया जा रहा है। राहुल गांधी ने बाकायदा महाराष्ट्र और कर्नाटक में हुई धांधलियों के उदाहरण दिए। उधर बिहार विधानसभा में भी चार दिनों से इसी बात पर हंगामा खड़ा है। लेकिन इन तमाम विरोध प्रदर्शन पर अब मुख्य चुनाव आयुक्त का जवाब आया है कि क्या हम फर्जी मतदाताओं को जोड़े रखें, क्या विदेशी नागरिकों को वोट डालने दे, क्या मृत मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हटाए जाने चाहिए। ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा है कि चुनाव आयोग राजनैतिक दल के दबाव में आकर डरने वाला नहीं है। बड़ी अच्छी बात है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव आयोग की संवैधानिक ताकत और ओहदे का एहसास है, लेकिन क्या उनका बयान केवल इंडिया गठबंधन के दलों के लिए था या भाजपा के लिए भी उनकी सोच वही है। क्योंकि अभी लगातार दिख रहा है कि चुनाव आयोग और भाजपा एक-दूसरे का सहारा बन कर खड़े हैं, एक पर सवाल उठता है, तो दूसरा बचाव में आ जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने एसआईआर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन पर अपने सवाल तो खड़े कर दिए, लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट तक ने जब यह कहा है कि आप आधार कार्ड को इसमें शामिल करने पर विचार करें, तो फिर यह कदम क्यों नहीं उठाया गया है।

बिकिनी में फोटो डालकर एक्ट्रेस ने ट्रोलर्स को दी खुली चुनौती

बोलीं- चर्बी, बूढ़ी औरत कहने वालों फिर मत कहना चांस नहीं दिया...

संभावाना सेठ भोजपुरी इंडस्ट्री का पॉपुलर चेहरा रही हैं। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने डांस और आइटम नंबर के लिए उन्हें भोजपुरी फिल्म अवॉर्ड भी मिले हैं। पेशे से एक्ट्रेस रह चुकीं संभावना आज एक व्लॉगर हैं और अक्सर अक्सर अपनी जिंदगी के पन्नों को फैंस के साथ शेयर करती हैं। इस वक्त संभावना अपनी उन तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं जो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। सामने आई तस्वीरों में संभावना ब्लू एंड ब्लैक कलर की प्रिंटेड बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में हसीना का बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है।

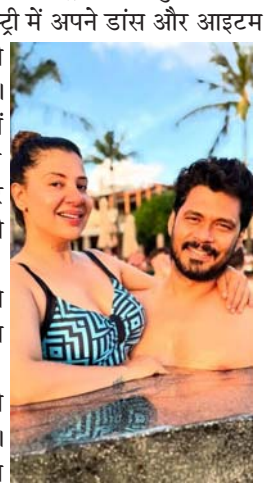

संभावना ने इन तस्वीरों के साथ लिखा- जो लोग दूसरों को उनकी उम्र, बॉडी की चर्बी, बदसूरत, बूढ़ी औरत, बॉडी शेम के लिए ट्रोल करना पसंद करते हैं, ये आपके लिए मौका है। ये मौका है। फिर मत बोलना मैंने मौका नहीं दिया। संभावना सेठ ने अपने करियर की शुरूआत आइटम गानों में एक डांसर के तौर पर की थी। वो भोजपुरी फिल्मों में रूप रंग की नगरी, लेंगा में वायरस नशे नशे उठाता, कमर जब लचकेला जैसी कई आइटम गानों में नजर आ चुकी हैं। भोजपुरी सिनेमा के अलावा उन्होंने 36 चाइना टाउन, वेलकम बैक जैसी कुछ हिंदी फिल्में भी की हैं। संभावना ने भोजपुरी गानें के अलावा रिएलिटी टीवी शो बिग बॉस, फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 4, बिग बॉस हल्ला बोल जैसे शोज में भी हिस्सा लिया है। संभावना सेठ ने राइटर अविनाश से 2016 में शादी रचाई। अविनाश और संभावना सेठ की मुलाकात एक डांस रिएलिटी शो के दौरान हुई थी जिसमें एक्ट्रेस जज थीं और अविनाश कंटेस्टेंट। अविनाश फिल्मों और बेव सीरीज की कहानियां लिखते हैं।

ट्रॉफी वाइफ बन गई थीं करिश्मा कपूर!

संजय कपूर की मौत के एक महीने बाद सुनील दर्शन का बड़ा खुलासा

बिजनेसमैन संजय कपूर की लंदन में अचानक हुई मौत के एक महीने बाद अब फिल्म निर्देशक सुनील दर्शन ने करिश्मा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर एक चैंकाने वाला बयान दिया है। संजय कपूर के 12 जून को लंदन में पोलो मैच के दौरान निधन

के बाद यह रिश्ता फिर से सुर्खियों में आ गया है। और इस बार बात कर रहे हैं खुद निर्देशक-निमार्ता सुनील दर्शन, जिन्होंने करिश्मा को जानवर, एक रिश्ता और मेरे जीवन साथी जैसी फिल्मों में निर्देशित किया। सुनील दर्शन ने पत्रकार विक्की लालवानी से बातचीत में करिश्मा के वैवाहिक जीवन पर खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि करिश्मा संजय कपूर से शादी करके एक शांत, घरेलू जीवन चाहती थीं लेकिन उन्हें एक ऐसी दुनिया में धकेल दिया गया जहां उनका कोई मेल नहीं था। सुनील ने कहा, वो एक घरेलू पत्नी बनना चाहती थीं, लेकिन उन्हें एक ट्रॉफी वाइफ की तरह पेश किया गया जैसे किसी आलीशान गुड़िया को घर में बिठा दिया गया हो। उन्होंने बताया कि करिश्मा और संजय की बहन बचपन की दोस्त थीं, लेकिन करिश्मा ने कभी संजय में रोमांटिक रुचि नहीं दिखाई। हम कई बार दिल्ली गए, लेकिन उन्हें कभी कपल की तरह नहीं देखा। यह रिश्ता अचानक बना और फिर हालात बिगड़ते चले गए। सुनील दर्शन ने मुंबई और दिल्ली की सांस्कृतिक भिन्नताओं को इस रिश्ते में तनाव की बड़ी वजह बताया। उनके अनुसार, करिश्मा ने फिल्मी ग्लैमर छोड़कर एक सामान्य पारिवारिक जीवन की ओर कदम बढ़ाया था, लेकिन वो जिस वातावरण में पहुंचीं, वो उनके लिए पूरी तरह अजनबी था। करिश्मा एक स्टार रह चुकी थीं, राज कपूर की पोती थीं, सब कुछ देख चुकी थीं। अब वो सिर्फ पत्नी और मां के रूप में रहना चाहती थीं, लेकिन उन्हें हर वक्त ग्लैमर और दिखावे की दुनिया में बने रहना पड़ा। सुनील ने करिश्मा के अभिनेता अभिषेक बच्चन से टूटे रिश्ते पर भी टिप्पणी की। उन्होंने इसे भी अचानक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कुछ रिश्ते किस्मत में नहीं लिखे होते। करिश्मा एक अच्छी लड़की थी, लेकिन उसकी जिंदगी में जो भी हुआ, वो काफी दुखद रहा। करिश्मा और संजय कपूर ने 2003 में शादी की थी। उनकी बेटी समायरा का जन्म 2005 में और बेटे कियान का जन्म 2011 में हुआ। 2014 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया शुरू की और 2016 में उनका तलाक फाइनल हुआ। तलाक के बाद संजय ने मॉडल और उद्यमी प्रिया सचदेव से विवाह कर लिया।

दिल बेचारा के 5 साल पूरे होने पर को-स्टार संजना सांघी को खली सुशांत सिंह की कमी

♦ इमोशनल पोस्ट के जरिए किया याद

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत भले ही अब इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उन्हें किसी न किसी अच्छी वजह को लेकर आज भी याद किया जाता है। अब हाल ही में सुशांत सिंह की आखिरी फिल्म दिल बेचाराश ने अपने पांच साल पूरे कर लिए। इस मौके पर दिवंगत एक्टर संग नजर आईं एक्ट्रेस संजना सांघी ने पोस्ट किया और सुशांत सिंह राजपूत को याद किया। संजना का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। संजना सांघी ने दिल बेचारा के पांच साल पूरे होने पर बृहस्पतिवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के पोस्टर के साथ एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमेशा से था, हमेशा रहेगा, सबसे जादुई। दिल बेचारा और किजी बसु को अपने दिलों में स्थायी जगह देने और हमारी फिल्म का जश्न हमेशा सबसे खास तरीके से मनाने के लिए धन्यवाद। मैं हमेशा आभारी रहूंगी...दिल बेचारा के पांच साल। आपकी कमी खलती है सुशांत। बता दें, मुकेश छाबड़ा द्वारा निर्देशित दिल बेचारा 24 जुलाई 2020 को रिलीज हुी थी। यह हॉलीवुड फिल्म द फॉल्ट इन अवर स्टार्स की हिंदी रीमेक थी। दिल बेचारा फिल्म मैनी (राजपूत) और किजी (सांघी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो लाइलाज बीमारी से ग्रस्त दो लोग हैं और एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। फिल्म के रिलीज होने से पहले उसी साल 14 जून को सुशांत राजपूत अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। उनकी अचानक मौत की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था।

फैमिली संग वेकेशन पर खूब मस्ती कर रहे हैं निक-प्रियंका

कपल की बेटी मालती मैरी की क्यूटनेस ने खींचा ध्यान

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा इन दिनों काम से ब्रेक लेकर फैमिली संग क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। प्रियंका बहामास मेंवैसे में हैं यहां से वह एक के बाद एक नई तस्वीरें शेयर कर रही हैं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की बिकिनी फोटोज ने आते ही सोशल मीडिया पर गदर काट दिया था। वहीं अब प्रियंका चोपड़ा की नई तस्वीरें सामने आ रही हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती मैरी और पति निक जोनस के साथ नजर आईं। प्रियंका तस्वीरों में नए लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा बेटी मालती मैरी खेलती हुई नजर आ रही हैं।

मानसून में डेंगू-मलेरिया का अटैक, दोनों के लक्षण एक जैसे, फिर कैसे करें अंतर?

मानसून का ये समय भीषण गर्मी से राहत दिलाने वाला तो होता है पर अपने साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर भी आता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा जोखिम मच्छर जनित बीमारियों का होता है जिसके कारण हर साल स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता देखा गया है।

मानसून आते ही मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों जैसे डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। जिन इलाकों में जलजमाव या गंदगी अधिक होती है, वहां पर इन बीमारियों का खतरा अधिक देखा जाता है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में साल 2024 में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, इस साल 2.30 लाख मामले सामने आए, जो 2019 में 1.57 लाख मामले से उल्लेखनीय वृद्धि है। हालांकि मलेरिया के मामलों में गिरावट देखी गई है। मलेरिया के मामलों में 69% की कमी के कारण भारत डब्ल्यूएचओ द्वारा घोषित मलेरिया के उच्च जोखिम वाले देशों की सूची से आखिरकार बाहर हो गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जुलाई से लेकर अक्तूबर तक देश में मच्छर जनित रोगों के मामले अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं, इसलिए सभी लोगों को पहले से बचाव के उपाय शुरू कर देने चाहिए। इन दोनों बीमारियों के लक्षण बहुत हद तक मिलते-जुलते होते हैं इसलिए समय रहते इनकी पहचान जरूरी है।

दिल्ली-एनसीआर में डेंगू का खतरा

दिल्ली में डेंगू को लेकर कोई हालिया डेटा रिपोर्ट साझा नहीं की गई है। 20 अप्रैल तक के डेटा पर गौर करें तो पता चलता है कि राजधानी दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के 118 मामले रिपोर्ट किए गए। फिलहाल ये मामले पिछले साल की तुलना में कम हैं, जब साल 2024 में इस समय तक 130 केस सामने आए थे। साल 2023 और 2022 में क्रमशः 47 और 74 डेंगू के मामले सामने आए थे। दिल्ली-नोएडा सहित गुरुग्राम से भी प्राप्त हो रही जानकारियों के मुतबिक यहां भी डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बीते दिनों बारिश होने से विभिन्न इलाकों में पानी जमा होने से डेंगू का खतरा बढ़ गया है। जिले में पहले से डेंगू व मलेरिया मामले मिल चुके हैं। 20 जुलाई को डेंगू के दो नए मरीज सामने आए थे।

डेंगू रोग और इसका खतरा

डॉक्टर कहते हैं, डेंगू-मलेरिया दोनों बीमारियों के लक्षण मिलते-जुलते होते हैं जैसे दोनों के कारण ही बुखार, कमजोरी, बदन दर्द की दिक्कत देखी जाती है जिससे अक्सर लोग भ्रम में पड़ जाते हैं कि आखिर बीमारी कौन सी है? लेकिन अगर समय पर सही पहचान न हो, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। इसकी पहचान के लिए पहले दोनों बीमारियों के मुख्य लक्षणों को जानना जरूरी है। डेंगू के लक्षण में तेज बुखार (104त्फ़तक) के साथ आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द, त्वचा पर चकत्ते होने की दिक्कत देखी जाती है।

इसके अलावा प्लेटलेट काउंट तेजी से गिरने लग जाता है। अगर प्लेटलेट्स 20,000 से नीचे आ जाएं या अंदरूनी ब्लीडिंग शुरू हो जाए तो यह डेंगू हेमोरेजिक फीवर या डेंगू शॉक सिंड्रोम जैसा खतरनाक हो सकता है।मलेरिया के लक्षण डेंगू से मिलते-जुलते हैं। इस रोग के कारण तेज बुखार के साथ ठंड लगने-कंपकंपी, सिरदर्द, उल्टी या डायरिया, आंखों में पीलापन (जॉन्डिस) हो सकता है।

क्या है दोनों बीमारियों में अंतर?

डॉक्टर कहते हैं, डेंगू और मलेरिया, दोनों ही मच्छर जनित बीमारियां हैं, जिनमें बुखार और थकान जैसे लक्षण एक जैसे होते हैं, लेकिन इनकी विशेषताएं अलग-अलग हैं। इनमें सबसे आम अंतर है कि डेंगू में अक्सर तेज बुखार और सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द के साथ त्वचा पर चकत्ते और प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं। जबकि मलेरिया में आमतौर पर ठंड लगने की दिक्कत अधिक होती है। डेंगू के मामलों में मलेरिया जैसी तेज ठंड लगने की समस्या नहीं होती है।

इन बीमारियों से कैसे बचें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया है कि सभी लोगों को डेंगू-मलेरिया को लेकर कुछ और बातों का भी ध्यान रखना चाहिए।

अगर आपको कुछ दिनों से तेज बुखार, ठंड लगने, सिरदर्द, शरीर पर लाल चकत्ते, आंख घुमाने पर दर्द हो रहा है तो सावधान हो जाना चाहिए।

डेंगू के कारण आपको पीठ और जोड़ों में दर्द के साथ कुछ स्थितियों में मसूड़ों और नाक से खून आने की भी दिक्कत हो सकती है।

ये मच्छर बर्तन, कूलर और बेकार पड़ी वस्तुओं आदि में जमा पानी में पनपते हैं। पानी जमा न होने दें

डेंगू के मच्छर दिन में काटते हैं, जबकि मलेरिया के अक्सर रात में। मच्छरों को काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें और रात में मच्छरदानी का इस्तेमाल करें।

खड़े होते ही अचानक घूमने लगता है सिर, कहीं इन गंभीर बीमारियों का संकेत तो नहीं

कभी-कभी कुर्सी से उठते ही या लेटे हुए से खड़े होते ही अचानक सिर घूमने लगता है या आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है। यह अनुभव कुछ ही सेकंड्स का होता है और अक्सर इसे मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन, अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या इसके साथ कोई और अजीब लक्षण भी महसूस हो रहे हैं, तो इसे हल्के में लेना ठीक नहीं। यह सिर्फ एक सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि कई बार यह आपके शरीर में पल रही किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। हमारा शरीर हमें कई तरह से संकेत देता है, और ऐसे में इन संकेतों को समझना बेहद जरूरी है। आइए इस लेख में जानते हैं कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा होती है और ये किन बीमारियों का संकेत हो सकता है।

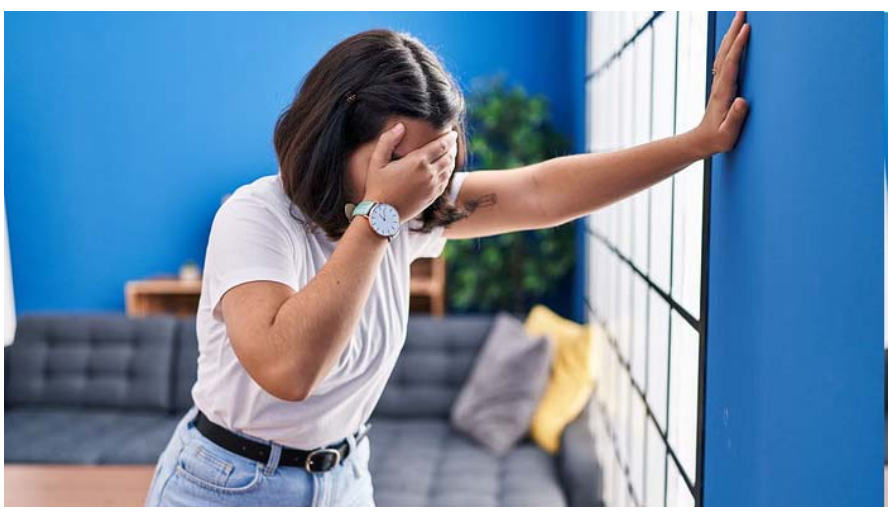

ऑर्थोस्टैटिक हाइपोटेंशन

अचानक खड़े होने पर सिर घूमने का सबसे आम कारण ऑर्थोस्टैटिक हाइपोटेंशन होता है। यह तब होता है जब आप लेटने या बैठने की स्थिति से अचानक खड़े होते हैं और आपके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) में अचानक गिरावट आती है। ऐसे में, गुरुत्वाकर्षण के कारण रक्त पैरों की ओर खिंच जाता है और दिमाग तक पर्याप्त मात्रा में खून नहीं पहुंच पाता। इसके लक्षण हल्के सिर चकराना, आंखों के सामने अंधेरा छाना या कुछ पल के लिए चक्कर आना हो सकते हैं।

डिहाइड्रेशन

इसकी एक बड़ी वजह डिहाइड्रेशन (शरीर में पानी की कमी) भी हो सकती है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो रक्त की मात्रा कम हो जाती है, जिससे रक्तचाप बनाए रखना मुश्किल होता है। कुछ दवाएं (जैसे हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं या मूत्रवर्धक) और लंबे समय तक बिस्तर पर रहने के बाद भी यह समस्या हो सकती है। इसका आसान उपाय है पर्याप्त पानी पीना और धीरे-धीरे खड़े होना।

एनीमिया

यदि शरीर में खून की कमी (एनीमिया) है, तो भी खड़े होने पर चक्कर आ सकता है। एनीमिया का मतलब है कि आपके रक्त में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम है, जिसका अर्थ है कि आपके दिमाग तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पा रहा है। इसके साथ थकान, कमजोरी और त्वचा पर पीलापन जैसे लक्षण भी दिख सकते हैं। आयरन की कमी एनीमिया का एक आम कारण है।

इसके अलावा, लगातार लो ब्लड प्रेशर भी इस समस्या का कारण बन सकता है, क्योंकि दिमाग को पर्याप्त रक्त प्रवाह नहीं मिल पाता। कई बार, हाई ब्लड प्रेशर के लिए ली जाने वाली कुछ दवाएं भी ऑर्थोस्टैटिक हाइपोटेंशन का कारण बन सकती हैं। ऐसे में नियमित रूप से अपने रक्त की जांच और ब्लड प्रेशर की निगरानी करना महत्वपूर्ण है।

कब डॉक्टर से सलाह लें और बचाव के उपाय

अगर आपको खड़े होते ही बार-बार या गंभीर रूप से चक्कर आते हैं, या इसके साथ अन्य लक्षण जैसे सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, धुंधला दिखना, बेहोशी, कमजोरी या बोलने में दिक्कत महसूस होती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आंत के बैक्टीरिया से मस्तिष्क का क्या संबंध है? आखिर कैसे दिमाग को कंट्रोल करते हैं ये बैक्टीरिया

हमारा शरीर एक जटिल तंत्र है, जहां हर अंग एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है। इनमें मस्तिष्क और पेट का संबंध सबसे महत्वपूर्ण संबंधों में से एक है। हालांकि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि पेट का काम सिर्फ खाना पचाना है, पर बहुत कम लोगों को यह मालूम है कि हमारे मस्तिष्क का हमारे पेट से बहुत गहरा और सीधा संबंध है। हमारा पेट सिर्फ भोजन पचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह अरबों सूक्ष्मजीवों (माइक्रोब्स) का घर भी है, जिन्हें सामूहिक रूप से आंत माइक्रोबायोम कहते हैं। ये बैक्टीरिया हमारे शरीर का एक जरूरी हिस्सा हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि ये आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क के साथ लगातार संवाद करते हैं। यह संवाद सिर्फ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य, हमारी भावनाओं, मूड और यहां तक कि सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। यह संबंध जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक गहरा और प्रभावशाली है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि हमारे आंत के बैक्टीरिया हमारे मस्तिष्क को कैसे कंट्रोल करते हैं।

आंत और मस्तिष्क में संवाद के तरीके

आंत और मस्तिष्क के बीच का संवाद कई तरीकों से हो सकता है। सबसे पहला वेगस तंत्रिका एक सीधा रास्ता है, जो पेट से दिमाग और दिमाग से पेट तक संदेश ले जाती है, जिससे दोनों आपस में जुड़े रहते हैं। इसके अलावा, आंत के बैक्टीरिया कई रासायनिक संदेशवाहक (न्यूरोट्रांसमीटर) बनाते हैं, जैसे सेरोटोनिन, जिसका 90% हिस्सा पेट में ही बनता है। ये रसायन हमारे मूड, नींद और भूख पर असर डालते हैं। साथ ही, आंत का स्वास्थ्य सीधे हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी प्रभावित करता है, आंत में असंतुलन होने पर सूजन बढ़ती है, जो दिमाग और मानसिक सेहत पर बुरा असर डाल सकती है।

आंत के बैक्टीरिया मानसिक स्वास्थ्य और मूड को कैसे प्रभावित करते हैं?

आंत माइक्रोबायोम का असंतुलन, जिसे डिसबायोसिस कहते हैं, चिंता और डिप्रेशन के बढ़ते जोखिम या गंभीरता से जुड़ा हुआ है। एक अस्वस्थ आंत से शरीर में सूजन बढ़ सकती है और न्यूरोट्रांसमीटर का उत्पादन बाधित हो सकता है, जिससे मूड पर नकारात्मक असर पड़ता है। आंत के बैक्टीरिया शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को भी प्रभावित करते हैं। एक स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम आपको तनाव के प्रति अधिक लचीला बना सकता है। इसके अलावा, आंत का संतुलन याददाश्त, सीखने की क्षमता और समग्र संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है। नींद के पैटर्न भी आंत के स्वास्थ्य से जुड़े होते हैं। हमारे आंत के बैक्टीरिया का संतुलन कई चीजों से प्रभावित होता है। खराब डाइट जिसमें प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा चीनी और कम फाइबर हो, अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाती है। एंटीबायोटिक्स भी अच्छे-बुरे दोनों बैक्टीरिया को खत्म कर देती हैं।

फिडे महिला विश्व कप में पहली बार कोई भारतीय खिलाड़ी बनेगा विजेता, हम्पी की दिव्या से टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली। बड़े मुकाबलों में खेलने के अपने अनुभव के आधार पर हम्पी फाइनल में हमवतन देशमुख के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगी। हम्पी ने गुरुवार को सेमीफाइनल में चीन की टिंगजी लेई को टाईब्रेकर में हराकर जीत हासिल की जबकि देशमुख ने अंतिम-चार चरण के दूसरे गेम में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की ही झोंगयी टैन को हराया।स्टार महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख शनिवार को होने वाले फिडे महिला विश्व कप फाइनल में एक-दूसरे के सामने होंगी जिससे पहली बार इस टूनार्मेंट में भारतीय खिलाड़ी विजेता बनेगा। इस प्रतियोगिता के इतिहास में यह पहली बार है जब दो भारतीय फाइनल में आमने-सामने होंगी। हम्पी और देशमुख दोनों ने फाइनल में पहुंचकर अगले साल होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूनार्मेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है।बड़े मुकाबलों में खेलने के अपने अनुभव के आधार पर हम्पी फाइनल में हमवतन देशमुख के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगी। हम्पी ने गुरुवार को सेमीफाइनल में चीन की टिंगजी लेई को टाईब्रेकर में हराकर जीत हासिल की जबकि देशमुख ने अंतिम-चार चरण के दूसरे गेम में पूर्व विश्व चैंपियन चीन की ही झोंगयी टैन को हराया। 38 वर्षीय ग्रैंडमास्टर हम्पी विश्व महिला रैपिड टूनार्मेंट की विजेता थीं और हाल में महिला ग्रां प्री में भी संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर रहीं। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। पिछले कई वर्षों में उनका जज्बा और दृढ़ संकल्प जरा भी कम नहीं हुआ है।हम्पी ने फिडे वेबसाइट से कहा, 'शतरंज प्रेमियों के लिए यह सबसे खुशी के पलों में से एक है क्योंकि अब खिताब

निश्चित रूप से भारत के पास जाएगा। लेकिन निश्चित रूप से एक खिलाड़ी के रूप में कल का मैच भी काफी कठिन होगा। दिव्या ने इस पूरे टूनार्मेंट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।' हम्पी से आधी उम्र की अंतरराष्ट्रीय मास्टर देशमुख इस प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में शामिल तीन खिलाड़ियों को हराकर उलटफेर कर चुकी हैं। उनका पहला शिकार चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जिनर झू थीं जिन्होंने डी हरिका को बाहर कर दिया था।नागपुर की 19 वर्षीय देशमुख ने सेमीफाइनल में चीन की पूर्व महिला विश्व चैंपियन झोंगयी टैन को हराया।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने के बाद कहा, 'मुझे बस थोड़ी नींद और थोड़ा खाना चाहिए। इन दिनों मैं काफी चिंतित हूं।' देशमुख ने अपनी सेमीफाइनल बाजी के बारे में कहा, 'मुझे लगता है कि मैं और बेहतर खेल सकती थी। एक समय मैं जीत रही थी और फिर चीजें मुश्किल हो गई। मुझे लगता है कि मैंने बीच में गलती कर दी, वर्ना मुझे और भी आसान जीत मिल सकती थी। मुझे लग रहा था कि यह ड्रॉ रहेगा। पर अंत में मैं भाग्यशाली रही।'हम्पी को प्री-क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन स्विट्जरलैंड की एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक ने टाईब्रेकर तक खींचा और इसके बाद उन्होंने युक्सिन सोंग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सेमीफाइनल में किया जिसमें उन्होंने चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजेई लेई को पांच मिनट में हरा दिया जब दोनों खिलाड़ी 3-3 की बराबरी पर थीं। शनिवार का फाइनल भी दो क्लासिकल गेम में खेला जाएगा और अगर परिणाम 1-1 से बराबर रहता है तो विजेता का फैसला करने के लिए कम समय के गेम खेले जाएंगे। टूनार्मेंट के विजेता को 50,000 अमेरिकी डॉलर और दूसरे स्थान पर रहने वाले को 35,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। दोनों भारतीयों ने अगले महिला कैंडिडेट्स टूनार्मेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। आठ खिलाड़ियों के कैंडिडेट्स टूनार्मेंट से अगले विश्व महिला चैंपियनशिप मैच में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू के प्रतिद्वंदी का फैसला होगा।

45% कृषि कर पर छिड़ी रार, सिंध के किसान इसे 'असंवैधानिक' बताते हुए गेहूं की खेती का बहिष्कार करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान में खेती से आय पर 45% कर के फैसले से विवाद गहरा गया है।सिंध चैंबर ऑफ एग्रीकल्चर (एससीए) ने45 प्रतिशत कृषि आय कर को अदालत में चुनौती देने की अपनी मंशा जाहिर की है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, एससीए ने इस कर को

'असंवैधानिक, अवैध और अनैतिक' करार दिया है और अपने सदस्यों और सिंध के किसानों से इस साल गेहूं की खेती न करने का आग्रह किया है।यह निर्णय मंगलवार को चैंबर की एक बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता इसके मुख्य संरक्षक सैयद नदीम कमर ने की। उपस्थित लोगों ने इस कर को अस्वीकार करते हुए कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रभाव में लागू किया गया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में उपस्थित किसानों का कहना था कि उन्हें अपनी फसलों का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे कर लगाने की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं।बैठक में सिंध भर के किसानों से कर न चुकाने का आग्रह किया गया और चेतावनी दी गई कि अगर सरकार इस अवज्ञा के लिए उन्हेंगिरफ्तार करने की कोशिश करेगी, तो कई अन्य किसान भी गिरफ्तारी का सामना करने को तैयार होंगे। बैठक में किसानों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं ने घोषणा की, "हम जेल जाने को तैयार हैं, लेकिन हम कृषि आयकर नहीं देंगे।" प्रतिभागियों ने कृषि आयकर का पूर्ण बहिष्कार करने की घोषणा की और डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उद्योगपतियों को दी जाने वाली रियायतों के समान रियायतों का अनुरोध किया।एससीए ने किसानों से 2025-26 सीजन के लिए गेहूं की खेती से दूर रहने का आह्वान किया है, क्योंकि उन्हें पर्याप्त समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। किसानों ने इसके बजाय सरसों, कलौंजी, सूरजमुखी और अन्य तिलहन जैसी वैकल्पिक फसलें उगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने बताया कि गेहूँ की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट के कारण, वे उत्पादन लागत की भरपाई नहीं कर पा रहे हैं और इस वर्ष को गेहूँ की खेती के लिए 'बहिष्कार वर्ष' घोषित किया जाएगा।चैंबर ने कपास उत्पादन में 40% की गिरावट पर गंभीर चिंता व्यक्त की और अनुमान लगाया कि उपज चार मिलियन गांठों से अधिक नहीं होगी। इसमें बताया गया कि सिंध के कृषि मंत्री द्वारा 11,000 रुपये प्रति मन देने के वादे के बावजूद, किसानों को कपास के लिए केवल 6,500 रुपये प्रति मन मिल रहे हैं, जो पूरा नहीं हुआ।एससीए ने कपास पर 18% स्थानीय कर को समाप्त करने का आह्वान किया और आयातित कपास पर 25% कर लगाने का प्रस्ताव रखा ताकि आयात को हतोत्साहित किया जा सके ।

स्पेन के दिग्गज जावी हर्नांडिज ने भी किया भारतीय टीम के कोच के लिए आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेन के विश्व कप विजेता मिडफील्डर जावी हर्नांडेज उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद के लिए आवेदन किया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के लिए यह सुखद आश्चर्य है, लेकिन वह उनके आवेदन पर विचार नहीं कर पा रहा है, क्योंकि वह इस स्टार फुटबॉलर पर खर्च होने वाली लागत वहन करने में सक्षम नहीं है।ऐसा पता चला है कि जावी ने अपने अकाउंट से ईमेल भेज कर इस पद के लिए आवेदन किया था।

एआईएफएफ के एक सूत्र ने शुक्रवार को बताया, 'हां, उन्होंने (जावी) भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच पद के लिए आवेदन किया है। उन्होंने खुद तकनीकी समिति के लोगों को अपना आवेदन भेजा है और ऐसा लगता है कि वह इस पद के लिए काफी इच्छुक हैं।'सूत्र ने कहा, 'हालांकि, जिन लोगों को महासंघ की अंतिम मंजूरी के लिए कार्यकारी समिति के पास कोच पद के उम्मीदवारों की सूची भेजने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे जानते हैं कि उन्हें इस पद पर नियुक्त करना आसान नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि जावी अब तक के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर्स में से एक हैं। लोग हमेशा (लियोनेल) मेसी के बारे में बात करते हैं, लेकिन जहां तक बार्सिलोना का सवाल है, वह (आंद्रेस) इनिएस्ता के साथ सबसे ऊपर हैं।'

कुलदीप को नहीं खिलाने पर अश्विन ने टीम मैनेजमेंट को लताड़ा....

'20-30 रन अतिरिक्त बनाने का लालच...'

एजेंसी

नई दिल्ली। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि कुलदीप इस सीरीज में शुरूआती चार टेस्ट में से एक भी मैच नहीं खेलेंगे।इंग्लैंड दौरे पर भारत ने तीन खिलाड़ियों को छोड़कर बाकी सभी को आजमा लिया है। जो तीन खिलाड़ी नहीं खेले हैं, उनमें कुलदीप यादव, अभिमान्यु ईश्वरन और ध्रुव जुरेल शामिल हैं। सीरीज के पहले टेस्ट से ही कुलदीप को खिलाने की मांग की जा रही है, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन्हें मौका नहीं दिया है। भारत रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के रूप में दो स्पिनर को तो खिला रहा है, लेकिन कुलदीप की जगह नहीं बन पा रही है। टीम मैनेजमेंट की सोच एक अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाकर 20-30 रन अतिरिक्त रन बनाने की रही है। हालांकि, इसमें टीम इंडिया कामयाब नहीं हो पाई है। सुंदर कुछ खास टच में नहीं दिखे हैं। वहीं, नीतीश रेड्डी और शार्दुल ने भी बल्ले से कुछ खास नहीं किया है। इसी सोच को लेकर भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टीम मैनेजमेंट को लताड़ लगाई है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि कुलदीप इस सीरीज में शुरूआती चार टेस्ट में से एक भी मैच नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर किसी ने मुझे बताया होता कि कुलदीप यादव पहले चार टेस्ट मैचों में एक भी नहीं खेल पाएंगे, तो मैं बहुत हैरान होता।दुर्भाग्य से, यह हमारी बल्लेबाजी को लेकर दीवानगी है और उन 20-30 अतिरिक्त रनों की तलाश है। अगर आपका नंबर सात बल्लेबाज 30 रन बनाता है और आपका नंबर आठ बल्लेबाज भी 30 रन बनाता है, तो आपके पास अतिरिक्त 60 रन होते हैं। पहले ये 60 रन बहुत उपयोगी हुआ करते थे, क्योंकि गेंदबाजों को पिच से मदद मिलती थी।'अश्विन ने शार्दुल ठाकुर को खिलाने की भारत की रणनीति पर सवाल उठाए जिन्हें

दूसरे दिन केवल पांच ओवर मिले और उन्होंने 35 रन दिए। अश्विन ने इस तरह के सेटअप में कुलदीप को नजरअंदाज करने पर निराशा व्यक्त की, खासकर जब रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। पिछले साल दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अश्विन ने तर्क दिया कि कुलदीप जैसे आक्रामक गेंदबाज को चुनने की भारत की अनिच्छा, भले ही बल्लेबाजी की गहराई पहले से ही मजबूत हो, तर्क से परे है।उन्होंने कहा, 'अगर आप सिर्फ शार्दुल ठाकुर को इतने ओवर देने की योजना बना रहे हैं और उनसे 20-30 रन की उम्मीद कर रहे हैं। मैं शार्दुल ठाकुर को पसंद करता हूं, लेकिन अगर इतना ही उपयोग करना है, तो आप कुलदीप यादव पर विचार क्यों नहीं कर सकते? यह सिर्फ मेरे सिर के ऊपर से जा रहा है। मुझे पता है कि यह हालात के खिलाफ लगता है कि टीम में तीन स्पिनर हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। जडेजा अब आपके लिए एक विशेषज्ञ बल्लेबाज है। वॉशिंगटन सुंदर भी अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं। जब आपके गेंदबाज इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं तो आप आक्रामक गेंदबाज को क्यों नहीं उतार रहे हैं।'

सेबी ने 13 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण किया रद्द, नवीनीकरण शुल्क नहीं चुकाने पर कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने नवीनीकरण शुल्क का भुगतान न चुकाने के कारण 13 संस्थाओं का निवेश सलहाकार के रूप में पंजीकरण रद्द कर दिया। निवेश सलाहकार के रूप में कंपनियों के पंजीकरण प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त हो गई है।बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को 13 संस्थाओं का निवेश सलहाकार के रूप में पंजीकरण रद्द कर दिया। यह कंपनियां नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहे। सेबी (निवेश सलाहकार) विनियमन के तहत, प्रत्येक पंजीकृत निवेश सलाहकार को पंजीकरण को प्रभावी बनाए रखने के लिए सेबी से पंजीकरण प्राप्त होने की तिथि से प्रत्येक पांच वर्ष में नवीकरण शुल्क का भुगतान करना जरूरी है।

पिछले कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगी कंपनियां

सेबी ने कहा कि पंजीकरण प्रमाणपत्र की समाप्ति के बावजूद इन संस्थाओं द्वारा अनजान निवेशकों को गुमराह करने से रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, सेबी ने स्पष्ट किया कि इन संस्थाओं की पंजीकरण रद्द होने के बावजूद, वे निवेश सलाहकार के रूप में अपने पिछले कार्यों या लापरवाहियों के लिए उत्तरदायी रहेंगी।

इन संस्थाओं के रद्द हुए पंजीकरण

इन 13 संस्थाएं में मंजीत सिंह वोहरा, तरुण कुमार सपरा, गौरी सुगन्या बी, संजय सुबोधचंद्र शुक्ला, शाजी जॉर्ज, रवि मित्तल, वीबीएस इन्वेस्टमेंट्स, रविशंकर के अय्यर, एमजी फंड्स, संदीप आहूजा, हर्ष अग्रवाल, वरुण जालान और गौरव केडिया शामिल हैं।

कंपनियों की पंजीकरण प्रमाणपत्र की अवधि हुई समाप्त

आदेश में कहा गया है कि यह देखते हुए कि संस्थाओं ने पंजीकरण को जारी रखने के लिए नवीकरण शुल्क का भुगतान नहीं किया है और निवेश सलाहकार के रूप में उनके पंजीकरण प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त हो गई है।

संक्षिप्त सामाचार

स्वच्छता में टॉप-3 में आने पर लखनऊ में सेलिब्रेशन,लोगों ने निकाली तिरंगा रैली

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम स्वच्छ सर्वेक्षण की अपनी श्रेणी में टॉप-3 में आने का सेलिब्रेशन कर रहा है। यह तमगा मिलने के बाद जनता का आभार व्यक्त करने के लिए मेयर के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई। इसमें हाथों में तिरंगा लेकर मेयर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए। नगर निगम मुख्यालय से शुरू होकर रैली हजरतगंज चैराहा होते हुए भाजपा मुख्यालय से फिर नगर निगम पहुंची। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। रैली में वंदे मातरम, भारत माता की जय, हम सब ने ये ठाना है लखनऊ को स्वच्छ बनाना है, नगर निगम का धन्यवाद समेत कई नारे लोगों ने लगाए। मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मेयर सुषमा खर्कवाल जिंदाबाद के नारे भी लोग लगाते रहे। मेयर समय अन्य अधिकारी और कर्मचारी पोस्टर बैनर लेकर रैली में शामिल हुए। इसमें स्वच्छ संकल्प और धन्यवाद लखनऊ दशार्या गया। रैली में इस दौरान कई स्कूली बच्चे भी शामिल हुए हैं। हजरतगंज चैराहे पर संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। स्वच्छता के प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर मेयर समेत पार्षद और अधिकारियों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि आज हम लोगों ने मिलकर नगर निगम की तरफ से जनता का आभार व्यक्त किया है। हम सभी को यह सम्मान जनता ने दिलाया है। यह जनता को समर्पित है। जनता अगले साल हमें कारण देगी कि हम नंबर एक पर पहुंचे। तिरंगा रैली में मेयर, पार्षद, नगर आयुक्त समेत अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ के हिस्से आई इस उपलब्धि में सबका सहयोग रहा है। हमारा लक्ष्य शहर को साफ सुंदर रखना है। इससे लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। जनता का आभार कि उनकी बदौलत लखनऊ प्रदेश में नंबर वन बना और देश में नंबर-3 रैंक आई है।

व्यापारी ने सुसाइड किया,भाई और दोस्त को भेजा वीडियो-ऑडियो मैसेज

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में शुक्रवार सुबह एक व्यापारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान राजू श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वह पत्नी दामिनी और तीन साल की बेटी के साथ अर्जुनगंज के सरसवा गांव में रहते थे। राजू मूल रूप से कानपुर के रहने वाले थे। राजू अमीनाबाद में बेल्ट, पर्स और चश्मे का थोक व्यापार करते थे। आत्महत्या से पहले उन्होंने अपने दोस्त और बड़े भाई को वीडियो और ऑडियो मैसेज भेजे थे। इन संदेशों में उन्होंने व्यापार में हो रहे घाटे का जिक्र किया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

टायर फटने से तेज रफ्तार डाला हाईवे पर पलटा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के निगोहां में शुक्रवार सुबह करीब 11.30 बजे सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डाला अनियंत्रित होकर लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर पलट गया। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में चालक को केवल मामूली चोट आई। सूचना पर निगोहां पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने चालक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। क्रेन की मदद से डाला सड़क से हटवाकर यातायात को सामान्य करवाया। शुरूआती जांच में सामने आया कि डाला चालक श्याम सुंदर निवासी खत्री मड़ियाव हैं। वह सीतापुर से सोलर पैनल और एंगल लेकर प्रयागराज जा रहे थे। टायर फटने से डाला पलट गया।

समृद्ध सनातनी सशक्त सनातन मजबूत राष्ट्र अभियान चलाएगी आर्य महासभा त्रिदंडी

लखनऊ (संवाददाता)। सनातनियों को समृद्ध किये बगैर सनातन धर्म को सशक्त एवं भारत राष्ट्र को मजबूत बनाने की कल्पना सम्भव नहीं नहीं इसलिए सनातनियों को आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा द्वारा सनातन शक्ति केन्द्रों की स्थापना की जायेगी। उपरोक्त जानकारी संगठन के संयोजक पंकज कुमार तिवारी द्वारा आर्य महासभा त्रिदंडी द्वारा लखनऊ कार्यालय में आयोजित एक सभा में दी गई। पंकज तिवारी ने बताया सनातन धर्म विश्व का एक मात्र शांतिप्रिय धर्म है जो सभी पंथ और महजब मानने वालों का सम्मान करता है और सनातन आस्था को ना मानने वालों को भी इससे कभी कोई खतरा नहीं रहा परन्तु यदि कोई सनातन धर्म एवं संस्कृति को समाप्त करने का स्वप्न देखेगा कोई भी सनातनी ना इसको बर्दाश्त करेगा और ना ही विधर्मी आसुरी शक्तियों को भारतवर्ष में स्वीकार किया जायेगा और इसके लिये प्रत्येक सनातनी को एकजुट करते हुये उन्हें आर्थिक,मानसिक एवं सामाजिक रूप से शक्तिशाली बनाया जायेगा और इसमें जगह जगह स्थापित सनातन शक्ति केंद्रों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जायेगी।

आलू किसान बदहाल, रालोद के पूर्व विधायक ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक शिवकरण सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आलू उत्पादक किसानों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताते हुए शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है।श्री सिंह ने बताया कि इस समय प्रदेश के किसानों के सामने बड़ी समस्या है कि कोल्ड स्टोरेज में रखा आलू सड़ने लगा हैं। उचित मूल्य न मिलने के कारण किसान आलू निकाल भी नहीं पा रहे हैं। पहले जहां किसानों को आलू का मूल्य 1700 से 1800 रुपये प्रति कुंतल मिल रहा था, अब घटकर औसतन 1000 रुपये तक आ गया है। इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। वर्तमान हालत यह है कि किसानों को 700 रुपए से भी कम मिल रहा है जबकि 240 रुपए भाड़ा भी देना पड़ रहा है। 1000 रुपए का औसत भी नहीं निकल रहा है।

सपा के गुंडों की हमारी सरकार में लुप-लुप करती है: डिप्टी सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार में कारागार मंत्री दारा सिंह चैहान

के जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आज यानी कि शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हो रहा है। चैहान समाज से संकल्प दिवस के रूप में मना रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में चैहान समाज के लोग पहुंचे हैं।

कार्यक्रम में प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक बतौर अतिथि शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी, कई मंत्री, विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी इस सामाजिक आयोजन में शिरकत कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि चैहान समाज की बात रखने वाला अगर कोई पैदा हुआ है तो वह दारा सिंह चैहान हैं। चैहान समाज को एकत्र करके इन्होंने चैहान समाज की बात उठाई। आज यह सिद्ध हो गया कि पूरे देश का चैहान समाज हमारे साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि चैहान समाज ने आजादी के समय भारत माता का झंडा ऊंचा करने में अपना खून-पसीना बहाया है। दारा सिंह चैहान के नेतृत्व में चैहान समाज आगे बढ़ रहा है, इसलिए चैहान समाज को उनके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार बनाने में दारा सिंह चैहान की अहम भूमिका रही है। दारा सिंह चैहान को चिंता रहती है कि कैसे अपने लोगों को टिकट मिले वह पंचायती राज्यों में मजबूत बने। ब्रजेश पाठक ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी है। आज किसी माफिया की हिम्मत नहीं होती कि वो बहन-बेटियों को आंख उठाकर देखें। जमीन-मकान पर कब्जा करें। समाजवादी पार्टी के लोग नारा लगाते थे कि खाली प्लाट हमारा है। समाजवादी पार्टी के लोग कब्जा करने का काम करते थे। पीलीभीत में कब्जा करके पार्टी कार्यालय बना लिया। नगर पालिका की जमीन को सत्ता की आड़ में कब्जा कर लिया। जब-जब समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में रही है, तब-तब बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ होती रही है। सपाई दुकानदारों से वसूली करते थे। कब्जे करते थे। समाजवादी पार्टी की सरकार में गांव में बिजली नहीं आती थी। आज एक्सप्रेसवे बेहतर है। कुछ घंटों में लखनऊ आ जा रहे हैं। आज गुंडे-बदमाश माफिया तख्ती लटकाकर घूमते हैं कि हमें जेल में डाल दो हम अपराध नहीं करेंगे। सपा सरकार में एक-एक गाड़ी में बदमाश बंदूकें लेकर चलते थे। हमारी सरकार में सपा के गुंडों की लुप-लुप करती है। मंत्री दारा सिंह ने कहा कि आज मेरे जन्मदिन को आप लोग संकल्प दिवस के रूप में मन रहे हैं। मैं आप लोगों को दिल से बधाई देता हूं। मैं तो सोचता था कि हजार दो हजार लोग रहेंगे, लेकिन आज मुझे एहसास हुआ कि आने वाले दिनों में जब कोई कार्यक्रम कराना होगा तो हाल में नहीं खुले मैदान में करेंगे। हमारी ताकत को कोई हाल रोक नहीं सकता है। 2027 में यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि एक बार डिप्टी सीएम मुझसे कह रहे थे कि प्रतापगढ़ में एक लाख से ज्यादा चैहान समाज के लोग हैं, लेकिन आप लोग अपनी जात और उपनाम लिखने से शमार्ते हैं। मैं कहूंगा कि लोनिया समाज में पैदा होने पर मुझे गर्व है। भूपेंद्र चैधरी ने कहा कि आप लोगों ने 2017 और 2022 में भाजपा को आशीर्वाद दिया। सरकार बनाने का काम किया। मुझे विश्वास है कि उसी तरह 2027 में भी आशीर्वाद देकर सरकार बनाने का काम करेंगे। मैं आप सभी का आभारी हूं। कार्यक्रम को केवल जन्मदिन समारोह तक सीमित न रखते हुए इसे चैहान समाज की सामाजिक और राजनीतिक ताकत के प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है। कार्यक्रम में चैहान समाज के युवा, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं।

चंदन अस्पताल लखनऊ में शुरू यूपी का पहला रोबोटिक हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी सिस्टम

लखनऊ (संवाददाता)। चंदन अस्पताल ने लखनऊ और उत्तर प्रदेश में एक नई चिकित्सा व्यवस्था की शुरूआत की है। अस्पताल ने पहली बार यहां विश्वप्रसिद्ध मेको रोबोटिक आर्म असिस्टेड सर्जरी की सुविधा शुरू की है, जो अब तक दुनिया के 1,500 से अधिक अस्पतालों में उपयोग की जा रही है और इससे 6 लाख से ज्यादा सर्जरी हो चुकी हैं। डॉ. नवीन श्रीवास्तव, संयुक्त चिकित्सा निदेशक एवं प्रमुख, अस्थि रोग विभाग, चंदन अस्पताल ने बताया, ष्यह सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि इलाज का एक नया युग है। मेको तकनीक की मदद से हम सर्जरी को बेहद सटीकता से कर पाते हैं, जिससे मरीजों को कम दर्द होता है, वो जल्दी ठीक होते हैं और नतीजे ज्यादा भरोसेमंद होते हैं। मेको तकनीक हर मरीज की हड्डी की बनावट के अनुसार एक थ्री-डी मॉडल तैयार करती है, जिससे डॉक्टर पहले से पूरी योजना बना सकते हैं। सर्जरी के दौरान मैको की एक्यू स्टॉप टीम तकनीकघ से रियल टाइम फीडबैक मिलता है, जो सर्जन को हर कदम पर नियंत्रित रखता है और आसपास की हड्डियों या सॉफ्ट टिशू को अनावश्यक नुकसान से बचाता है। चंदन अस्पताल में अब टोटल हिप रिप्लेसमेंट (टीएचआर), टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीके आर) और यूनिकॉम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट (यूकेआर) जैसी सर्जरियां नई तकनीक के साथ की जा रही हैं। यह प्रक्रिया पारंपरिक नेविगेशन सिस्टम जैसे जीपीएस-बेस्ड या ऑप्टिकल ट्रैकिंग पर आधारित नहीं है। इसकी जगह हर मरीज के लिए पहले से पेशेंट-स्पेसिफिक प्लानिंग की जाती है, और ऑपरेशन के दौरान जरूरत के मुताबिक बदलाव (इन्ट्रा-ऑपरेटिव कस्टमाइजेशन) भी किए जाते हैं। सबसे खास बात यह है कि इसमें रॉबोटिक कटिंग गाइड्स का इस्तेमाल होता है, जिससे हड्डी की कटाई बहुत ही सटीक तरीके से होती है। इससे सर्जरी सुरक्षित, कम दर्द वाली और तेज रिकवरी वाली होती है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि यह सुविधा सिर्फ चुनिंदा लोगों के लिए नहीं है। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा, ष्यह कोई लग्जरी नहीं, बल्कि आधुनिक इलाज का अधिकार है, जो अब हर मरीज को मिल सकता है। यह सर्जरी ज्यादातर हेल्थ इंश्योरेंस में कवर होती है और हम इसे सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से भी जोड़ रहे हैं ताकि किसी भी मरीज को आर्थिक कारणों से इससे पीछे न रहना पड़े। चंदन अस्पताल अब बेहतरीन तकनीकघ और मरीजों की पहुंच, दोनों को साथ लेकर उत्तर प्रदेश में हड्डियों से जुड़े हुए रोगों में सर्जरी की परिभाषा ही बदल रहा है।

शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, दो स्कूटी और एक कार जलकर राख

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में

शुक्रवार तड़के शार्ट सर्किट से एक मकान में आग लग गई। गैलरी में खड़ी दो स्कूटी और कार जलकर राख हो गई। घटना के वक्त घर में कोई नहीं था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इंदिरानगर फायर स्टेशन को शुक्रवार तड़के सूचना मिली कि विकास नगर इलाके में एक घर में आग लग गई है। सूचना पर फायर स्टेशन इंदिरा नगर से एक यूनिट व फायर स्टेशन हजरतगंज से एक यूनिट गाड़ी के साथ घटनास्थल पर पहुंची। वहां देखा शॉर्ट सर्किट से घर के अंदर आग लगी थी। फायर टीम ने आग बुझानी शुरू की। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

1857 की गदर पर आधारित होगा बेगम हजरत महल उर्दू ड्रामा

लखनऊ (संवाददाता)। अवध की मिट्टी में पैदा हुई एक शेरनी बेगम हजरत महल की वीरता और हिम्मत की अमर गाथा को प्रस्तुत करता यह उर्दू ड्रामा बेगम हजरत महल 1857 की गदर पर आधारित है।उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी और उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में आगामी 30 जुलाई 2025 को संत गाडगे प्रेक्षागृह गोमती नगर में मंचित होगा। आज पोस्टर लांच करते हुए लेखक - वामिक खान ने बताया कि यह ड्रामा हमारी अगली पीढ़ी के लिए एक उदाहरण है जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को भूल रहे हैं।निर्देशक - युसूफ खान ने बताया कि इस तरह के ड्रामे हमारी संस्कृति और सभ्यता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाते हैं। बेगम हजरत महल का किरदार करने वाली तनिष्क शर्मा ने बताया कि बेगम का किरदार करना ही एक बहुत बड़ी बात है क्योंकि वह मल्लिका के साथ-साथ वीरांगना भी थी।

मालवीय नगर मंडल ने विजय दिवस पर शहीद लेफ्टिनेंट गौतम गुरुंग को श्रद्धांजलि दी

वीर सपूतों के बलिदान से ही हमें सुरक्षित और स्वतंत्र भारत मिला है : सहजानंद राय

गोरखपुर। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कूड़ाघाट स्थित अमर शहीद राष्ट्रपति द्वारा "सेना मेडल" से सम्मानित गोरखा रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट गौतम गुरुंग की प्रतिमा पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पदाधिकारीगण,पार्षदगण व कार्यकताओं ने अमर शहीद की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उनके अदम्य साहस, वीरता और बलिदान को नमन किया। 23 साल की उम्र में शहीद हो गए थे ले. गौतम गुरुंग रिटायर्ड ब्रिगेडिर पीएस गुरुंग मूलतः नेपाल के रहने वाले हैं और उनके परिवार ने भारतीय सेना के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वे अब उत्तराखंड के देहरादून में रहते हैं। उनका जन्म 23 अगस्त 1973 को देहरादून में हुआ था। वे 6 मार्च 1997 को उन्होंने पिता की बटालियन 3/4 गोरखा राइफल्स (चिन्डिटस) में

कमीशन प्राप्त किया और प्रथम नियुक्ति जम्मू-कश्मीर सीमा पर हुई। 5 अगस्त 1999 को कारगिल युद्ध के समय जम्मू कश्मीर के तंगधार में ले. गौतम गुरुंग 23 साल की उम्र में शहीद हो गए थे। 15 अगस्त 1999 को उन्हें महामहिम राष्ट्रपति के. आर. नारायणन द्वारा मरणोपरान्त "सेना मेडल" से सम्मानित किया गया। उसके बाद से हर साल उनके शहादत दिवस पर यहां शहीद ले. गौतम गुरुंग चौक पर उन्हें याद किया जाता है। श्रधांजलि देने के क्रम में मुख्य रूप से डॉ सत्येंद्र सिन्हा राहुल श्रीवास्तव डॉ बच्चा पाण्डेय बृजकिशोर राय उपेंद्र सिंह रणंजय सिंह राजा यादव मनोज निषाद सुशीता पासवान शिवेंद्र गौड़ इंजीनियर बृजमोहन राजेश पासवान वीरेंद्र पासवान वारंट आफिसर दयानंद साहनी विनय सिंह अश्वनी सिंह अजीत निषाद देवेंद्र पासवान कोमल पासवान अभिलाष शाही बबलू त्रिपाठी राजेन्द्र पासवान सहित बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक व नागरिकों ने अश्रूपूर्ण श्रधांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया।

सांसद रवि किशन को मिला 'संसद रत्न अवार्ड 2025'

गोरखपुर और पूर्वांचल के लिए गौरव का क्षण

नई दिल्ली। गोरखपुर से लोकसभा सांसद श्री रवि किशन शुक्ला को उत्कृष्ट संसदीय कार्य और जनप्रतिनिधित्व के लिए 'Sansad Ratna Award 2025' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नई दिल्ली स्थित नया महाराष्ट्र सदन में एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू और अध्यक्ष श्री हंसराज अहीर की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान श्री रवि किशन को सौंपा गया। आयोजन का सफल संचालन Prime Point Foundation द्वारा किया गया, जिसके संस्थापक श्री श्रीनिवासन जी हैं।

इस अवसर पर सांसद रवि किशन ने अपने संबोधन में कहा:

"यह मेरे लिए गर्व और सम्मान का क्षण है। यह सम्मान न केवल मेरा व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि गोरखपुर और पूर्वांचल की जनता के विश्वास और सहयोग का प्रतीक भी है।"

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा:

"उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन से ही हमें राष्ट्र और क्षेत्र की सेवा में समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है।"

रवि किशन ने आगे कहा कि यह पुरस्कार उन्हें जनसेवा की भावना को और सशक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने अपने मतदाताओं, समर्थकों और क्षेत्र की जनता के प्रति कृतज्ञता प्रकट की और विश्वास दिलाया कि जनकल्याण का यह सफर आगे भी पूरे समर्पण के साथ जारी रहेगा।

समाजवादी पार्टी ने देवरिया में मनाया 'आरक्षण दिवस'

देवरिया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर देवरिया के सत्यम मैरिज लान

में 'आरक्षण दिवस' को 'संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस' के रूप में मनाया गया।

मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा –

संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, निजीकरण और संविदा के जरिए भाजपा आरक्षण खत्म कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम ने की, संचालन रामनाथ यादव व शब्बीर कुरैशी ने किया। सभी नेताओं और कार्यकताओं ने 2027 में सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता व समाज के विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद रहे।

कुशीनगर में सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाले '71-71 लाला गैंग' का पदार्फाश, 12 गिरफ्तार

कुशीनगर। सोशल मीडिया के जरिए कट्टरता और दहशत फैलाने वाले '71-71 लाला गैंग' का कुशीनगर पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। गैंग के कुल 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जो अवैध असलहों के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर युवाओं को गुमराह करने का काम कर रहे थे।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से तमंचे, कारतूस, मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इस पूरे गिरोह का मुख्य सरगना जुबेर अहमद उर्फ जुबेर लाला बताया जा रहा है, जो युवाओं को डिजिटल मंचों पर उकसाने और डराने-धमकाने का काम करता था।

गिरफ्तारी की कहानी: गोलीबारी के बाद दबोचे गए आरोपी

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार और क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह की निगरानी में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

21 जुलाई 2025 को पुलिस को सूचना

मिली कि गैंग के कुछ सदस्य बाइक से कसया की ओर बढ़ रहे हैं। चकनरायनपुर विद्यालय के पास पुलिस ने जब उन्हें रोकने की कोशिश की, तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अरबाज अली, जुबेर लाला और अफरोज खान को मौके पर ही पकड़ लिया गया। इनकी निशानदेही पर गैंग के अन्य 9 सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैला रहे थे आतंक

'71-71 लाला गैंग' सोशल मीडिया पर वीडियो, धमकी भरे पोस्ट और हथियारों की नुमाइश के जरिए एक अलग तरह का डिजिटल आतंक फैला रहा था। पुलिस ने पाया कि ये गतिविधियां कानून और समाज विरोधी थीं और युवाओं को हिंसा व कट्टरता की ओर उकसाने का माध्यम बन चुकी थीं।

कुशीनगर पुलिस की कार्रवाई से कड़ा संदेश

इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि कुशीनगर पुलिस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय असामाजिक तत्वों के खिलाफ पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि ऐसे किसी भी तत्व को कानून से खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जाएगी और जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखा जाएगा।

सरकार की योजनाओं का बंटाधार...गौशाला बन रहा है पशुओं के लिए मौतशाला, शासन-प्रशासन की खुली पोल

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार जहां गौवंश संरक्षण और गौशालाओं के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत चौंकाने वाली और शर्मनाक तस्वीर पेश कर रही है. जनपद गाजीपुर के सदर तहसील अंतर्गत छावनी लाइन के राजस्व गांव सरैया खास की गौशाला में कई मृत गायों के मिलने की खबर ने शासन-प्रशासन की पोल खोल दी है. यह मामला तब सामने आया जब गौशाला से सटा हुआ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और स्थानीय ग्रामीणों ने संदिग्ध गतिविधियों और दुर्गंध के चलते शक जताया और मीडिया को सूचना दी. गाजीपुर में मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना गौशाला जिसमें निराश्रित पशुओं को रखा जाता है और उसके खान-पान की व्यवस्था के साथ ही उनके उचित रख रखाव की जिम्मेदारी ब्लॉक के अधिकारियों के साथ ही पशुपालन विभाग का होता है लेकिन गाजीपुर में गौशाला राम भरोसे चल रहा है यानी कि ना ही उन्हें सही ढंग से खाने को दिया जा रहा है. और ना ही उनके रखरखाव किया जा रहा है जिससे वह आए थे बीमार होकर मृत हो रहा है और इसके

बाद भी इनके मौत का मामला उजागर ना हो इसके लिए अब पशुओं के मौत के बाद इस गौशाला को कब्र का बनाया जा रहा है. ताजा मामला सदर ब्लाक के सरैया गांव में बने गौशाला का है जहां पर सैकड़ो पशु रखे गए हैं और इसकी देखरेख के लिए ग्राम पंचायत की सेक्रेटरी को जिम्मेदारी दी गई है ताकि पशुओं को भूखा न रहना पड़े लेकिन यहां के अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति कितने ईमानदार हैं कि पिछले कुछ दिनों में कई पशुओं की मौत की जानकारी हुई और इन लोगों के द्वारा इन पशुओं को इस गौशाला में पशुओं के गोबर के अंदर दबा दिया गया. हालांकि इसकी सच्चाई तब सामने आई जब पास के ही प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों और टीचरों ने दुर्गंध की शिकायत मीडिया से किया और मीडिया ने जब इसकी जानकारी ब्लॉक के अधिकारियों को दिया तब 2 दिन पूर्व ब्लाक के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन लोगों ने अपनी आंखों से इस पूरे कारनामे को दिखा बावजूद इसके इसे झूठलाते रहे. हालांकि इस मामले की जानकारी जब मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य को दी गई तो उन्होंने इस संबंध में ब्लॉक के अधिकारियों से जानकारी ली और फिर बताया कि इस तरह का मामला उनके संज्ञान में आया है और कई पशुओं के मौत की भी जानकारी हुई है विभागीय अधिकारियों से इस मामले में जांच रिपोर्ट ली जा रही है और इस मामले में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

"एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम में स्मृति दिवस पर पौधारोपण और वितरण

पिपराइच (गोरखपुर)। स्व. अशोक कुमार सिंह की स्मृति में पिपराइच बीडीओ विजय कुमार गुप्ता ने "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम का शुभारंभ डिजिटल सखियों संग पौधा लगाकर किया। विकासखंड परिसर स्थित बीडीओ आवास पर कुल 250 फलदार पौधों का वितरण किया गया। बीडीओ श्री गुप्ता ने कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण से हम प्रकृति और भविष्य दोनों को सुरक्षित कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. विकास सिंह ने पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला, वहीं सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनी शेखर ने स्वस्थ जीवन के लिए फल और ऑक्सीजन के महत्व को रेखांकित किया। डिजिटल सखी प्रोजेक्ट की ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर गीता कौर ने कार्यक्रम को स्व. अशोक कुमार सिंह की स्मृति को समर्पित बताते हुए समाज में वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में बाइफ संस्था, एल एंड टी फाइनेंस, मगध समाज कल्याण प्रतिष्ठान, नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन और माई भारत का सहयोग रहा। अधिवक्ता कुमुद रंजन सिंह ने ग्रामीणों को फलदार पौधों के फायदे बताए और मुफ्त पौधे वितरित किए। डिजिटल सखियों सहित अनेक गांवों से आई महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

पूर्वांचल का सबसे बड़ा कार्यक्रम "अदालत राजनीति" सहजनवां में संपन्न

सहजनवां (गोरखपुर)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई सहजनवां के तत्वावधान में आज पूर्वांचल के सबसे बड़े शो "अदालत राजनीति", सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें क्षेत्रीय गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सहजनवां के लोकप्रिय विधायक प्रदीप शुक्ला, पूर्व मेयर डॉ. सत्या पांडेय, महामंडलेश्वर कनकेश्वरी नंदगिरी, भोजपुरी अभिनेता कृष्णा कुमार, तथा निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद जैसे विशिष्ट अतिथियों ने मंच साझा किया। सम्मान समारोह में समाज सेवा, पत्रकारिता, और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत "अदालत राजनीति" कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसमें विधायक प्रदीप शुक्ला ने मंच से जनता के तीखे सवालों का बेबाकी और स्पष्टता से जवाब दिया। डॉ. संजय निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि निषाद समाज की राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी अब निर्णायक हो चुकी है। उन्होंने युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी और सरकार की योजनाओं को धरातल पर लाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में सवाल-जवाब का सिलसिला लगातार जारी रहा — कभी एंकरों द्वारा, कभी विपक्ष के प्रतिनिधियों द्वारा, तो कभी आम जनता द्वारा — लेकिन सभी नेताओं ने जवाब आत्मविश्वास और सटीकता के साथ दिए, जिससे कार्यक्रम में मौजूद जनता काफी संतुष्ट नजर आई। यह आयोजन न केवल लोकतांत्रिक संवाद का एक उत्तम उदाहरण रहा, बल्कि सहजनवां क्षेत्र के सामाजिक और राजनीतिक विमर्श को नई दिशा भी प्रदान कर गया।

Over 2000 Meritorious Students Honoured by Deputy Chief Minister at ABVP Ceremony

- **ABVP is the heartbeat of the nation, shaping youth for social service": Brijesh Pathak**
- **Honouring talent, guiding society : this is the vision of ABVP" : Dr. Virendra Singh Solanki**

Gorakhpur | A grand felicitation ceremony was organized by the Gorakhpur unit of Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) under Goraksh Prant on Wednesday at the Yogiraj Baba Gambhirnath Auditorium, Gorakhpur.

The event witnessed the presence of Uttar Pradesh Deputy Chief Minister Brijesh Pathak, ABVP National General Secretary Dr. Virendra Singh Solanki, Goraksh Prant Minister Mayank Rai, RPM Director Dr. Ajay Shahi, and Principal of GD Goenka School Archana Pradhan. The highlight of the event was the felicitation of over 2,000 meritorious students from Class 10 and 12 board examinations.

The ceremony aimed not only to applaud academic excellence but also to inspire students to take an active role in nation-building. Addressing the gathering, Dr. Solanki stated that ABVP goes beyond academics, instilling values of character, patriotism, and social responsibility in youth. He emphasized ABVP's role in organizing various cultural, creative, and ideological activities that enable holistic student development.

ABVP is not limited to chanting slogans of Bharat Mata Ki Jai, but is committed to nurturing youth whose actions and dedication bring those slogans to life," he added.

Deputy Chief Minister Brijesh Pathak praised India's rich intellectual legacy, recalling how ancient institutions like Takshashila, Nalanda, and Gurukuls shaped global knowledge. He emphasized that education must aim at creating responsible citizens, not just job seekers. He applauded ABVP's efforts in aligning education with character-building and national service, and advised students to adopt a lifestyle in harmony with nature.

The event was anchored by Soumya Gupta, and a vote of thanks was delivered by Dr. Vivek Shahi.

Prominent dignitaries present included ABVP Regional Organizing Secretary Ghanshyam Shahi, BJP Kisan Morcha State President Kameshwar Singh, State Organizing Secretary Puneet Agarwal, BJP Regional Vice President Satendra Sinha, and District President Janardan Tiwari among others.

Son Kills Parents and Sister Over Land Dispute in Ghazipur

Ghazipur | In a shocking incident in Deeliya village, a man brutally killed his parents and sister with an axe over a land dispute. The accused, Abhay Yadav (40), murdered his father Shivram Yadav (65), mother Jamuni Devi (60), and sister Kusum Devi (36) on Sunday afternoon. Senior police officials rushed to the scene and collected evidence. The bodies have been sent for post-mortem. Three police teams have been formed to arrest the accused, who is currently absconding. The village remains in mourning, though law and order are under control.

Eastern UP's Largest Event "Adalat Rajneeti" Concludes Successfully in Sahjanwa

Sahjanwa (Gorakhpur), July 27 | Under the banner of the Rural Journalists Association, Tehsil Unit Sahjanwa, the grand event "Adalat Rajneeti" (Court of Politics), along with a felicitation ceremony and symposium, was successfully organized today. The program began with the ceremonial lighting of the lamp, graced by the presence of several dignitaries from the region.

Prominent guests included popular Sahjanwa MLA Pradeep Shukla, former Mayor Dr. Satya Pandey, Mahamandaleshwar Kanakeshwari Nandgiri, Bhojpuri actor Krishna Kumar, and Nishad Party's National President and Cabinet Minister Dr. Sanjay Nishad.

During the felicitation ceremony, individuals who have made significant contributions in journalism, social work, and other fields took place, where MLA Pradeep Shukla answered tough public questions with confidence and clarity.

Dr. Sanjay Nishad, in his address, emphasized the rising political and social influence of the Nishad community. He encouraged youth to participate actively in politics and reaffirmed his commitment to implementing government schemes effectively on the ground.

The Q&A session continued dynamically — with questions posed by anchors, opposition members, and the general public. All leaders responded assertively and thoughtfully, leaving the audience highly engaged and satisfied.

This event not only highlighted the spirit of democratic dialogue but also brought renewed political awareness and direction to the Sahjanwa region.

Pratik Pandey got gold and Sanjay Kumar Rai got silver medal in Greco Roman style wrestling competition

Gorakhpur. Wrestlers from a total of 12 states of the Postal Department participated in the national level wrestling competition held in Maharashtra.

Representing Gorakhpur region, Pratik Pandey won the gold medal by defeating his opponent in Greco Roman wrestling in the 97 kg weight category. Sanjay Kumar Rai won the silver medal by defeating his opponent in the 67 kg weight category.

Let us tell you that Pratik Pandey is originally from Sak Dand, Khajni and lives with his family in Ramjanaki Nagar Basharatpur. He has won the gold medal for the eighth consecutive time in this competition.

Talking about Sanjay Kumar Rai, Sanjay Kumar Rai is originally from Gauri Bazar Deoria, who lives with his family in Aranya Bihar Colony Khorabar, he has won the gold medal fifteen times in a row, but this time he had to be satisfied with the silver medal.

Their excellent performance created a wave of happiness among the employees of the postal department of Gorakhpur division. Both the wrestlers have maintained the dominance of Gorakhpur region in wrestling and have brought laurels to the region with their performance.

As soon as both the players reached Gorakhpur, Postmaster General Gorakhpur region Gaurav Kumar Srivastava welcomed both the wrestlers who performed excellently and all the staff and officials of employee organizations present there also wished them good luck and congratulated them.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।